an>

Title: Need to ensure better implementation of the mid-day meal scheme in schools in the country.

श्रीमती वीणा देवी (मुंगेर): भारत वह देश है जहां 315 मिलियन विद्यार्थी पाये जाते हैं और इनमें 112 मिलियन विद्यार्थी 4 वर्षीय आयु के हैं। गत दशक में विद्यालयों में विद्यार्थियों की भर्ती 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुंची है किंतु अभी भी 1.4 मिलियन विद्यार्थी स्कूली शिक्षा से वंचित हैं सरकार ने देश में शिक्षा व्यवस्था को आकर्षक बनाने के लिए अनेक योजनाएं प्राथमिक विद्यालयों के स्तर पर शुरू की हैं उनमें से एक मध्यान्ह भोजन देना भी है। इस योजना में बालकों को दोपहर का भोजन दिया जाता है। सरकार सोचती है कि अच्छे और पुष्ट भोजन से आकर्षित बालक विद्यालयों में अपनी उपस्थिति रखने में रूचि लेंगे परंतु योजना अच्छी होने के बावजूद उसका क्रियान्वयन उचित न होने के कारण लक्ष्य पाने में असमर्थ दिख रही है। विषाक्त भोजन की घटनाओं ने बालकों व पालकों में आकर्षण के स्थान पर भय पैदा कर दिया है। हमारे राज्य बिहार में विषाक्त भोजन बांटने की घटनाएं आम बात हो चुकी है।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि इस योजना के क्रियान्वयन में प्रभावी संशोधन हो। यदि क्रियान्वयन को स्वच्छ और स्वस्थ नहीं किया जा पाता है तो बालकों को नकद राशि देकर उनमें शिक्षा के प्रति आकर्षण बनाये रखना चाहिए।